7.	Regional Instt. of Ophthalmology	—	1
8.	State Ophthalmic Cell	—	1
9.	PMOAs Training School	—	1
10.	Eye Bank	—	5
11.	PMOAs posted	—	278

The cataract operations performed in the State during the last 5 years is as follows:

Year	No. of cataract operations performed
1992-93	1,24,896
1993-94	1,53,255
1994-95	1,87,332
1995-96	2,27,450
1996-97	2,48,681 (Prov.)

Expensive treatment of Tuberculosis

224. SHRI S.M. KRISHNA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item captioned "Hospital's austerity measures cost Tuberculosis patients dear" which appeared in the 'Hindustan Times' dated July 8, 1997;

(b) if so, the reaction of Government thereto;

(c) the number of TB Hospitals and the patients registered in them during the last two years, year-wise and State-wise;

(d) whether it is a fact that TB treatment is quite expensive, as per experience of the patients; and

(e) the number of beds available in Rajan Babu Tuberculosis Hospital and whether it is catering to the requirement of patients in terms of medicines; if not, the steps taken to meet the requirement?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): (a) to (e) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

रोगों के प्रभावी इलाज के लिए जड़ी बूटियां और नुस्खे

225. **श्री राम जेठमलानी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में अनेकों ऐसी जड़ी बूटियां और नुस्खे प्रचलित हैं जो विभिन्न रोगों के उपचार में प्रभावी सिद्ध होते हैं;

(ख) क्या यह सच है कि इन नुस्खों तथा जड़ी बूटियों का जनता द्वारा पूर्णरूपेण उपयोग नहीं किया जा रहा है क्योंकि इन्हें मान्यता प्राप्त नहीं है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) क्या सरकार इन नुस्खों और जड़ी-बूटियों को आम आदमी के लिए अधिक से अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई व्यवस्था कायम करने पर विचार करेगी, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका चौधरी): (क) जी हां।

(ख) से (घ) भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और होमियोपैथी के लगभग 5 लाख चिकित्सकों/पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा देश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के अधिकांश लोगों को स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान की जा रही है। इन चिकित्सा प्रणालियों में आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, होमियोपैथी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रणालियां हैं। इन प्रणालियों के पंजीकृत चिकित्सक अधिकृत पुस्तकों में उल्लिखित औषधियों/उपचार तथा एकस्व और स्वामित्व वाली औषधियों, जिनके निर्माण के लिए लाइसेंस प्राप्त किया गया है, का उपयोग करते हैं। सरकार ने सम्बन्धित प्रणालियों के भेषज कोशों और भेषज संहिताओं के कार्य को पूरा करने के लिए भी कार्रवाई की है।

National Institute for Unani Medicines

226. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the RPIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the National Institute for Unani Medicines has been established;

(b) the reasons for which the institute is still a non-starter, even after 15 years of its establishment;

(c) whether Government would consider ordering an inquiry to find out the reasons for the delay; and

(d) whether Government would take steps to start the Institute within a time bound frame?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): (a) to (d) Yes, Sir. The National Institute of Unani Medicine, Bangalore was established in 1984. Non availability of funds was the main constraint for the slow progress in setting up the Institute. With the creation a separate Deptt. of Indian System of Medicine & Homoeopathy in 1995, increased flow of funds has been provided for the Institute. An amount of Rs. 2 crores has been released during the last 2 years, and there is a provision of Rs. 1.5 crores for the current financial year for the Institute. The Hospital Services Consultancy Corporation of India Limited, have been entrusted the work of construction of the building of the Institute and the boundary wall has already beeff completed. Tonographical Survey, Geo-Technical Investigation & Ground Water Investigation have already been completed. Construction of O.P.D. alongwith allied facilities has been approved and HSCC have been asked to complete the construction at the earliest. With the decisions already taken, the Institute is expected to become operational during the 9th Five Year Plan.

किशोरावस्था में गर्भधारण करने और मां बनने की घटनाओं में वृद्धि

227. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में किशोरावस्था में गर्भधारण करने और मां बनने की राज्यवार घटनाओं में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है और क्या इससे सामाजिक स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो 1990-91 से लेकर 1996-97 तक के दौरान किशोरावस्था में गर्भधारण करने और मां बनने की कुल कितनी घटनाएं हुई तथा यह वृद्धि कितनी है;

(ग) क्या उक्त घटनाओं में वृद्धि के कारण होने वाली जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए लड़कियों की विवाह योग्य आयु को बढ़ाना सर्वाधिक उपयुक्त उपाय माना जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में आम राय बनाने के लिए क्या उपाय किए गए है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका चौधरी): (क) उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार कोई वृद्धि नहीं हुई है।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) जी हां। बाल विवाह अवरोध अधिनियम 1978 में विवाह की वैध आयु को लड़कियों के लिए 15 वर्ष से 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 18 से 21 वर्ष तक बढ़ाया गया है। जनगणना आंकड़ों से पता चलता है कि लड़कियों के विवाह के समय न्यूनयम आयु पहले ही 18 वर्ष से 18.33 वर्ष तक बढ़ी है। गौना तथा विवाह की आयु में विलम्ब करने में और आम सहमति उत्पन्न करने के लिए ग्रामीण स्तर पर इलैक्ट्रानिक प्रचार माध्यमों, नुक्कड़ नाटकों, गीत एवं नाटक तथा जनमत तैयार करने वाले शिविरों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

Raw Data released by Registrar General of India regarding population

228. PROF. RAM KAPSE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received the Raw data released by the Registrar General of India, regarding the expected population bomb in the country;

(b) if so, the special efforts made so far by Government of combat the alarming situation; and

(c) if no efforts have been made, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY): (a) The Technical